

क्लोरी—3,3,3, ट्राइफ्लोरो-प्रोपेनिल) 2, 2= डाइमेथिल-साइक्लोप्रोपिनकार्बोक्सिलेट के स्थान पर "साइहालोथ्रिन (एस) (जेड) — (आई. आर.) — सिस-और (आर) (जेड) (—) (आई. एस.) सिस-आइसोमर्स ; (एस) —  $\alpha$  — साइनों — 3 — फिनोक्सिबेजिल (जेड) (आई. आर. 3 आर.) — 3 — (2 क्लोरी — 3,3,3 — ट्राइफ्लूरोप्रोपिनिल) — 2, 2 — डाइमेथिल साइक्लोप्रोपिन कार्बोक्सिलेट और (आर) —  $\alpha$  — साइनों-3-फिनोक्सिबेजिल (जेड) — (आई एस. 3 आर.) — 3 — (2 क्लोरी — 3,3,3, — ट्राइफ्लूरोप्रोपिनिल — 2, 2 — डाइमेथिल साइक्लोप्रोपेन कार्बोक्सिलेट के (1:1) का प्रतिक्रिया मिश्रण पड़े"।

[सं. 19-64/83-पी. पी-1]

बो. नरसिम्हन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Co-operation)

New Delhi, the 23rd August, 1988

### CORRIGENDUM

S.O. 785(E).—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Co-operation) No. S. O. 511 (E), dated the 22nd May, 1987 published in Part-II. Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, Extraordinary, at page 3 in un-numbered Serial No. 9 of the list of substances, for "CYHALOTHRIN (RS)---cyano-3-phenoxybenzyl (Z) - (IRS) - (2-Chloro-3, 3, 3, -trifluoropropenyl)-2, 2-dimethyl cyclopropane carboxylate", read "CYHALOTHRIN (S) (Z) - (IR)-Cis-and (R) (Z)-Cis-isomers ; a reaction mixture of (1:) of (S) -cyane 3-phenoxybenzyl (Z)(IR, 3R)-3-(2-chloro-3, 3, 3-trifluoropropenyl)-2, 2-dimethyl cyclopropane Carboxylate and (R) -Cyano-3-phenoxybenzyl (Z) - (IS, 3S) -3-(2-chloro-3, 3, 3-trifluoropropenyl)-2, 2-dimethyl cyclopropanecarboxylate".

[No. 19-64/83-PPI]

B. NARASIMHAN, Jt. Secy.



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 429]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 23, 1988/भाद्रपद 1, 1910

No. 429]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 23, 1988/BHADRA 1, 1910

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1988

अधिसूचनाएं

का. आ. 786 (अ):—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 644 (ई)/तारीख 1-7-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आणव्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।